प्रथम अध्याय

" वर्ष 2005 की विभिन्न परिस्थितियाँ "

- : प्रथम अध्याय : -

" वर्ष 2005 की विभिन्न परिस्थितियाँ "

साहित्य समाज का दर्पण होता है | समाज में घटित घटनाओं का परिणाम संवेदनशील, सहृदयी मानव मन पर होता है और वह साहित्य की रचना करता है | साहित्य में मानव समाज की भावात्मक परिस्थितियों की अभिव्यक्ति होती है | मानव अपने भावों को साहित्य में व्यक्त करता है | उन भावों में सत्य होता है | सत्य के साथ मनोरंजन के लिए बुध्दि की सहायता से कल्पना का प्रयोग भी साहित्य में किया जाता है | साहित्य का निर्माण करते समय सत्य, कल्पना के साथ ही शब्द, अर्थ, अलंकार इनका प्रयोग भी किया जाता है | सत्य, कल्पना, शब्द, अर्थ, अलंकार का उचित प्रयोग जब किया जाता है तब ' साहित्य ' निर्माण होता है | अर्थात् स + हित = ' साहित्य ' निर्माण होता है | जिसमें हित हो ऐसी कृति निर्माण होती है | साहित्य में कम, अधिक मात्रा में यथार्थ होता है | यह यथार्थ समाज में घटित घटनाएँ ही होती है | अतः कहा जा सकता है कि, साहित्य में, समाज में निर्मित घटनाएँ परिलक्षित होती है |

साहित्य निर्माण होने के लिए मानव के मानस पटल पर उसके परिवेश का बहुत बड़ा महत्त्व होता है | परिवेश के साथ ही साहित्य रचयिता के विचार एवं मान्यताएँ बदलती रहती है | इन बदलती परिस्थितियों के कारण व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र का विकास होता है |

प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध का विषय " वर्ष 2005 की ' हंस ' पत्रिका में प्रकाशित कहानियों का अनुशीलन " है | वर्ष 2005 की कहानियों के परिवेश के परिचय के लिए ' वर्ष 2005 ' की विभिन्न परिस्थितियों को जानना अनिवार्य है | इस दृष्टि से प्रस्तुत अध्याय में ' वर्ष 2005 ' की विभिन्न परिस्थितियों की जानकारी दी है |

प्रस्तुत परिस्थितियाँ निम्नलिखित प्रकार से हैं -

1. राजनीतिक परिस्थिति |
2. सामाजिक परिस्थिति |
3. धार्मिक परिस्थिति |

4. आर्थिक परिस्थिति |
5. सांस्कृतिक परिस्थिति |
6. साहित्यिक परिस्थिति |

उपर्युक्त परिस्थितियों को निम्नलिखित मद्दों में विभाजित करके विश्लेषित किया है |

1.1 **राजनीतिक परिस्थिति :-**

राजनीतिक परिस्थिति के अंतर्गत ' वर्ष 2005 ' की उन घटनाओं को लिया गया है, जो राजनीति को प्रभावित कर चुकी हैं |

' वर्ष 2005 ' राजनीति की दृष्टि से उथल-पुथल का वर्ष रहा | प्रस्तुत वर्ष में घटित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं का जायजा ' राजनीतिक परिस्थिति ' के अंतर्गत लिया गया हैं | प्रस्तुत वर्ष में भारतीय जनता ने राजनीतिक गतिविधियों में हुए बदलावों को देखा | उनका विवरण निम्नलिखित हैं |

1.1.1 **राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **प्राकृतिक आपदाएँ** :-

' वर्ष 2005 ' के प्रारंभ में ही अंदमान - निकोबार द्वीप समूहों पर ' त्सुनामी ' आई, इससे यहाँ पर निवास करनेवाले लोगों का जीवन तहस-नहस हो गया | ' त्सुनामी ' समंदर में हलचलें बढ़ने के कारण निर्माण हुई जो बहुत उँची - उँची लहरें उठकर किनारे की ओर बढ़ी थीं | इससे विपुल मात्रा में जीवित एवं वित्त हानि हुई | अतः 'त्सुनामी ' की चपेट में आये लोगों की सहायता हेतु अनगिनत लोगों ने अपने हाथ बढ़ाए | इसमें भारतीय राजनेताओं ने भी सहयोग दिया | " भारत के कॅबिनेट मंत्रियों ने त्सुनामी पीड़ित लोगों को 2,731/- करोड़ रूपए की सहायता निधि दी |" [1] प्रस्तुत हादसे से लोग सँवर ही रहे थे, तभी प्रकृति ने फिर से अपनी करवट बदली | ' आसम ' में धरणी-कंप हुआ जिसमें अनेक लोगों की मृत्यु हुई | कुछ लोग बुरी तरह से जख़्मी हो गए | कुछ लोगों के मकान ढ़ह गए | धरणी-कंप के कारण लोगों के मकान मलबे के रूप में दिखाई दिए | वहाँ राजनेताओं ने हेलिकॉप्टर से

वहाँ की परिस्थितियों का जायजा लिया | आपद्ग्रस्त लोगों की सुविधा के लिए यातायात के साधन एवं खाने के पैकेट्स भेजे गए |

प्रकृति का रौद्र रूप ' त्सुनामी ' और ' धरणीकंप ' तक ही सीमित न रहा | बरसात के मौसम में मूसलाधार वर्षा ने बाढ़ की स्थिति निर्माण की | "मुंबई में दि.26-27 जुलाई,2005 को वर्षा ने चेरापुंजी का रिकॉर्ड भी भंग कर दिया |" [2] ' चेरापुंजी ' में 838.2 मि.मि. की सर्वाधिक वर्षा का बना रिकॉर्ड ' मुंबई ' की 944.2 मि.मि. वर्षा ने तोड़ दिया | इस भीषण वर्षा ने मुंबई में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया | रेल, सड़क और हवाई यातायात के साथ-साथ बिजली एवं संचार प्रणालियाँ भी ध्वस्त हो गईं | यह बाढ़ की स्थिति महाराष्ट्र के कई इलाकों के साथ कर्नाटक राज्य में भी निर्माण हुई थी | इन प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित जनता की मदद् करने के लिए राजनेताओं ने योगदान दिया | " प्रधानमंत्री ' मा.डॉ.मनमोहन सिंह ' ने बाढ़ पीड़ित लोगों की सहायता हेतु 30 करोड़ रूपए निधि देने की घोषणा की |" [3] इस निधि की सहायता के साथ राहत कार्य भी पूरा किया गया | लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया था | इससे जनजीवन पूर्ववत् शुरू हुआ |

इस तरह, ' वर्ष -2005' प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित रहा, जिसमें राजनेताओं द्वारा जनता की सहायता की गई |

2. **आतंकवाद का प्रभाव** :-

' वर्ष - 2005 ' में भी आतंकवाद का प्रभाव बना रहा | यह आपदा मानव निर्मित है | आतंकवाद मनुष्य के लिए अभिशाप है | आतंकवाद ने विकराल रूप धारण किया है | इसी सन्दर्भ में प्रस्तुत वर्ष ' आतंकवाद ' की घटना घटी; " गोवा के सांस्कृतिक संग्रहालय में आतंकवादियों ने घुसपैठ की |" [4] वहाँ की अनमोल सांस्कृतिक धरोहर की तोड़-फोड़ की | यह घटना मानवता को तिलांजलि देनेवाली है | प्रस्तुत घटना की गोवा सरकार के राजनेताओं ने निंदा की | इस प्रकार की आतंक को प्रभावित करनेवाली घटनाओं को देखकर इस पर रोक लगाने हेतु संबंधित राजनेताओं ने सांस्कृतिक संग्रहालयों की सुरक्षा कड़ी करने का आदेश जारी किया |

3. **राजनीतिक नेता कठघरे में** :-

प्रस्तुत वर्ष ' अयोध्या ' में घटित 6 दिसम्बर, 1992 के ' बाबरी विध्वंस काण्ड ' में पूर्व माननीय उप प्रधानमंत्री एवं भा.ज.पा. के वरिष्ठ नेता ' लालकृष्ण आडवाणी ', मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार, अशोक सिंघल, आचार्य गिरिराज किशोर, विष्णु हरि डालमिया, साध्वी ऋतम्भरा के विरूद्ध सी.बी.आई. की रायबरेली स्थित एक अदालत में आरोपों का निर्धारण किया गया | आरोप निर्धारण से पूर्व इन सभी को न्यायिक हिरासत में लेने को कहा और जमानत हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया | जमानत को मंजूर करने के पश्चात् विशेष न्यायाधीश ' वी.के.सिंह ' ने इनकी रिहाई के आदेश दिए | इसके बाद आरोप निर्धारण की प्रक्रिया हुई | " सभी आरोपियों पर भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 147 (बलवा करना), 153 ए सहपठित धारा (धार्मिक स्थल पर वर्गों के बीच शत्रूता पैदा कराना), 153 बी सहपठित धारा 149 (राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव ड़ालनेवाला भड़कीला भाषण देना) तथा 505(1) बी (धार्मिक स्थल पर विभिन्न वर्गों के बीच घृणा, वैमनस्यता पैदा कराना) के तहत् आरोप तय किए गए |" [5] इस तरह प्रस्तुत वर्ष भारत के राजनेताओं पर उच्च न्यायालय ने अभियोग चलाये | अतः कहा जा सकता है, राजनीतिक नेता भी न्यायिक व्यवस्था से नहीं छूटे |

4. **' दक्षेस ' का तेरहवाँ शिखर सम्मेलन** :-

भारत और उसके पड़ोसी देशों ने अपना विकास हो, आपस में मित्रता बढ़े इस प्रमुख हेतु के साथ ' दक्षेस ' अर्थात् ' सार्क ' परिषद की निर्मिति की | ' दक्षेस ' में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, मालदीव इन सात देशों का सक्रिय सहयोग हैं | ' दक्षेस ' का तेरहवाँ शिखर सम्मेलन ' जनवरी, 2005' में बांग्लादेश की राजधानी ' ढ़ाका ' में होगा, यह तय किया गया था | हर वर्ष आयोजन किये जानेवाले इन सम्मेलनों में देश की प्रगति, अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ मित्रता के संबंध बनाना, किसी कारण वश कोई विवाद सदस्य राष्ट्रों में छिड़ गया हो तो वह मिटाना आदि बातों पर सदस्य देशों के शासनाध्यक्ष विचार-विमर्श करते हैं | " प्रस्तुत वर्ष आयोजित ' दक्षेस ' शिखर सम्मेलन की बैठक में भारत के शासनाध्यक्ष माननीय प्रधानमंत्री ' मनमोहन सिंह ' उपस्थित नहीं रह

सके | इस कारण उपस्थित अन्य देशों के शासनाध्यक्षों ने प्रस्तुत बैठक खारिज की |" [6] प्रधानमंत्री के प्रस्तुत निर्णय के कारण पड़ोसी मित्र देशों के साथ बातचीत करन में बाधा निर्माण हुई |

5. **' कारवाँ -ए-अमन '** :-

प्रस्तुत वर्ष में एक ऐसी राजनीतिक घटना घटी जो भारत और पाकिस्तान के लिए ऐतिहासिक बनी | कश्मीर के इतिहास में अमन और भाईचारे का यह एक नया अध्याय जुड़ गया | जम्मू-कश्मीर की राजधानी ' श्रीनगर ' और पाक अधिकृत कश्मीर की राजधानी मुजफ्फ़राबाद के बीच ' कारवाँ-ए-अमन ' नामक बस के द्वारा सम्पर्क स्थापित हो गया | " शेर-ए-कश्मीर ' स्टेडियम से ' कारवाँ-ए-अमन ' की दो बसों को हरी झण्ड़ी दिखाकर माननीय प्रधानमंत्री ' डॉ.मनमोहन सिंह ' ने रवाना किया |" [7] इसे विदा करनेवालों में विदेश मंत्री नटवर सिंह, मणिशंकर अय्यर, संसदीय कार्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल, मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद आदि मंत्री उपस्थित थे | यह बस ' भारत-पाकिस्तान ' दोनों देशों के एल.ओ.सी. (Line of Control) से दौड़ेगी, जिससे दोनों देशों के निवासी आवागमन कर सकेंगे | व्यापार आदि हेतु दोनों देशों में सुचारू रूप से कार्य संपन्न होगा, जिससे दोनों देशों की अधिक प्रगति हो सकेगी | भारत-पाकिस्तान के महामहिम राष्ट्रपतियों ने एल.ओ.सी. खुलवाने का प्रस्ताव दिया इसीके साथ " क्षेपणास्त्र परीक्षण करते समय दोनों देश एक-दूसरे की अनुमति लेंगे, इस बात को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने मंजूरी दी |" [8] इससे दोनों देशों में अमन के साथ विश्वास भी निर्माण हो सकेगा | इससे दोनों देशों की प्रगति बनी रहेगी |

6. **बिजली का प्रयोग** :-

उद्योगों में बिजली की माँग दिन-ब-दिन अधिक बढ़ रही है | अत: इसका प्रयोग करते समय ग्राहक सावधानी बरते यह सोचकर " महाराष्ट्र सरकार ने बिजली का प्रयोग अधिक मात्रा में करनेवाले ग्राहको पर अधिभार लगाया तथा जो ग्राहक बिजली की बचत करते हैं उन्हें बिजली बिलों में छूट दी |" [9] इससे ग्राहक उचित और अनिवार्य स्थिति में ही बिजली का प्रयोग करेंगे, इस दूरदृष्टि के साथ किया गया यह विचार और फैसला गौरव का पात्र बना | इस प्रकार राजनेताओं ने अपने राज्य के विकास के लिए सफल प्रयास किया |

7. **भ्रष्टाचार का बोलबाला** :-

भ्रष्टाचार की जडें समाज को खोखला बना रही हैं | समाज के नीति-नियमों के विरूद्ध भ्रष्ट आचरण करते समय संबंधित व्यक्तियों को उनके नीति-मूल्य टोकते नहीं, अतः ये प्रवृत्ति निरंतर बढ़ ही रही है | पैसा हर व्यक्ति को प्यारा होता है, पर यह चाहत जब बढ़कर अनूचित व्यवहार करने के लिए व्यक्ति को प्रेरित करती है तब वह व्यक्ति ' भ्रष्टाचारी ' बनती है |

' वर्ष 2005 ' में भ्रष्टाचार से राजनीतिक नेता भी अछूते नहीं रह सके | " प्रस्तुत वर्ष ' केंद्रीय जाँच ब्यूरो ' की ' रांची स्थित एक विशेष अदालत ने केंद्रीय रेल मंत्री ' मा.लालू प्रसाद यादव ' और बिहार के अन्य एक पूर्व मुख्यमंत्री ' डॉ.जगन्नाथ मिश्र ' सहित कुल 70 आरोपियों के विरूद्ध चारा घोटाले के एक मामले में आरोपों का निर्धारण किया |" [10] यह आरोप सन् 1996 में चाइबासा ट्रेजरी से फर्जी तरीके से 37 करोड़ रूपए निकालने के मामले में दर्ज किया गया था | इससे ध्यान में आता है, जनता जिस विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुनाव में वोट देती हैं ; उसी विश्वास का घात उनमें से कुछ नीति-मूल्य हीन, स्वार्थी नेता करते हैं | भ्रष्टाचारी नेता स्वार्थ के लिए जन-कल्याण पर खर्च की जानेवाली राशि का प्रयोग करते हैं | प्रस्तुत भ्रष्टाचार में 70 मंत्रियों का हाथ हैं, इससे भ्रष्टाचार का बोलबाला राजनेताओं के कारण राजनीति में किस तरह भयानक रूप में व्याप्त है, यह स्पष्ट होता है |

8. **महिला आरक्षण** :-

महिला आरक्षण का मामला पिछले एक दशक से अनिर्णित बना हुआ है | महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरुषों से बराबर अपना स्थान बना रही हैं | आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं रहा, जिसमें महिलाओं का योगदान नहीं हैं | अतः वर्ष 2005 में " एक नया प्रस्ताव सरकार ने प्रस्तुत किया हैं जिसके तहत् महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्त्व प्रदान करने के लिए संसदीय एवं विधानसभाई सीटों की वर्तमान संस्था में एक तिहाई वृद्धि का प्रस्ताव किया गया है |" [11] इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए केंद्रीय पूर्व गृहमंत्री ' मा. शिवराज पाटिल, ' रक्षा मंत्री प्रणव मुखर्जी व संसदीय कार्य मंत्री गुलाम नबी आज़ाद ने प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ बातचीत की | लेकिन महिलाओं को आरक्षण देने के प्रति

गम्भीर रवैया अपनाते हुए राजनीतिक दलों ने प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समय माँगा है | अतः कहा जा सकता है मंच पर महिला विकास की बात करनेवाले प्रत्यक्ष महिला विकास पर कोई चर्चा नहीं करना चाहते |

9. **<u>परिधानों पर तिरंगे के इस्तेमाल का निर्णय</u>** :-

भारत का राष्ट्रध्वज ' तिरंगा ' है | इसमें केसरीया रंग आज़ादी के लिए खून बहानेवालों का, सफेद रंग भारतीय पवित्र, निर्मल संस्कृति का और हरा रंग भारत की खेती अर्थात् हरियाली का सूचक है | इसके सिवा सफेद रंग के मध्य में जो चक्र है उसमें 24 आरे हैं; वह 24 घंटे निरंतर कार्यशील रहने के लिए सूचित करते हैं |इस अनमोल धरोहर ' तिरंगे ' को आम जनता और खिलाड़ी अपने पोशाकों पर इस्तेमाल कर सकती है, यह अनुमति देने का फैसला किया गया | प्रस्तुत अनुमति के साथ यह भी बताया गया, " किसी भी स्थिति में अधोवस्त्रों, कमर के नीचे के हिस्से में पहने जानेवाले वस्त्रों में तिरंगे के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी |" [12] मंत्रिमंडल के प्रस्तुत निर्णय की जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री ' मा.एस. जयपाल रेड्डी ' ने संवाददाताओं को बताई |

प्रस्तुत निर्णय से पहले तक मकानों, औद्योगिक ईकाईयों आदि पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की छूट आम जनता को दी गई थी | प्रस्तुत निर्णय से खिलाड़ी और आम जनता में खुशी का वातावरण दिखाई दिया |

10. **<u>उत्सव -पर्व</u>** :-

उत्सव मनाने से खुशियाँ बढ़ती हैं | लोग एक -दूसरे से मिल सकते हैं | लोगों की खुशियों में अन्य लोग भी शामिल हो तो खुशियों में चार चाँद लगते हैं | प्रस्तुत वर्ष " ' भारतीय जनता पार्टी ' ने अपने पार्टी की 25 वीं वर्षगाँठ मनाई |" [13] ' भारतीय जनता पार्टी ' राजनीति में स्वातंत्र्य - प्राप्ति के पश्चात् निर्मित राज्यसत्ता एवं जनता के विकास के लिए कार्यरत रहनेवाला एक राजनीतिक दल है | इस दल ने अपनी कामयाबी पर यह उत्सव पर्व मनाया |

11. **राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईतल** :-

अपना जीवन देश के लिए समर्पित करनेवाले एवं देश की जनता के कल्याण हेतु कार्य करनेवाले नेताओं में ' राजीव गांधी ' का नाम शीर्षस्थ हैं | प्रस्तुत वर्ष ' राजीव गांधी ' को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया | " हैदराबाद हवाईतल का नाम ' राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईतल ' यह घोषित किया गया |" [14] इससे कांग्रेस सहित देश की जनता भी आनंद से हिलोरे लेने लगी | यह नामकरण राजनीति में अनन्य साधारण महत्त्व रखनेवाला साबित हुआ |

12. **' मैत्री ' की यात्रा** :-

राजनेता देश की प्रगति एवं विकास हेतु अनेक योजनाओं का गठन करते हैं | इसमें अनेक क्षेत्रों के साथ विज्ञान का भी बहुत बड़ा स्थान है | विज्ञान में अनुसंधान करने हेतु भारत ने ' अंटार्कटिका ' इस बर्फ से ढ़के महाद्वीप पर अनुसंधान केंद्र बनाया है | यहाँ की प्रगति का जायजा लेने के लिए वहाँ कार्यरत वैज्ञानिकों से परिचर्चा करने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ' मा.कपिल सिब्बल ' वहाँ गए थे | प्रस्तुत वर्ष " भारत के अनुसंधान केंद्र ' मैत्री ' की यात्रा करनेवाले वे पहले भारतीय मंत्री हो गए हैं |" [15] इस प्रकार विज्ञान के क्षेत्र में ' अंटार्कटिका ' में स्थापित अन्य 18 देशों के साथ ' भारत ' भी वहाँ अपनी मौजूदगी को और भी मजबूत बनाना चाहता है, यह स्पष्ट होता है |

1.1.2 **अंतर्राष्ट्रीय राजनीति** :-

1. **विदेश यात्रा** :-

तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति ' डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ' देश के सांस्कृतिक उत्कर्ष हेतु रशिया, स्वित्झर्लंड, युक्रेन एवं आइसलैण्ड़ के दौरे पर चले गए | इसी प्रकार प्रस्तुत वर्ष भारत में भी विदेशी राजनेताओं का आवागमन हुआ | उनकी जानकारी इस प्रकार हैं :-

' कैनड़ा ' के प्रधानमंत्री 'मा.पौल मार्टिन ' का भारत में आवागमन हुआ | इसके पश्चात् थोड़े ही दिनों में चीन के प्रधानमंत्री ' मा. वेन जियाबो ' चार दिन की यात्रा के लिए भारत आये | उस समय भारत-चीन सीमारेषा पर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों में विचार-विमर्श हुआ | " कारटोसेट [CARTOSAIT] प्रक्षेपण की भी बातें हुई |" [16] इसके प्रक्षेपण से यह लाभ होगा कि, छह महीनों में

देश की सीमाओं का रेखांकन करने में सहायता उपलब्ध होगी | अमरीका के अध्यक्ष ' मा.बिल क्लिंटन ' जी का भारत में यात्रा हेतु आगमन हुआ | श्रीलंका के महामहिम राष्ट्रपति ' कुमारतुंगा ' का भारत में तीन दिन की यात्रा के लिए आगमन हुआ | इस तरह विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने भारत भेंट की | इसमें भारत की उन्नति एवं दोनों देशों के बीच का संबंध सेतु सक्षम बनाने की बातें हुई |

2. **परमाणु कार्यक्रम के मद्दे पर मतदान** :-

विश्व का हर देश केवल शांतिपूर्ण नागरिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही परमाणु कार्यक्रम चलाये ; इस पर नज़र रखने के लिए ' अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी ' की स्थापना की गई है | प्रस्तुत उद्देश्य के सिवा अगर कोई देश कूटनीति अपनाये या दूसरे देशों की शांति भंग करने की कार्रवाई करने लगे तो उन पर ' अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ' द्वारा दबाव ड़ाला जाता है | इसी के साथ ' नाभिकीय अप्रसार संधि ' पर हस्ताक्षर कर्ता होने के कारण सदस्य देशों के लिए पहले से स्थापित नियमों के तहत् उसके परमाणु केन्द्रों का अचानक निरीक्षण किया जा सकता है |

ईरान द्वारा परमाणु उर्जा एजेंसी के प्रावधानों का पालन न किये जाने के कारण उसे अपनी परमाणु गतिविधियाँ बंद करने को कहा गया | लेकिन ' ईरान ' ने इस बात का विरोध किया | अतः " विएना में ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को ' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ' को संदर्भित करने संबंधी प्रस्ताव के पक्ष में भारत सहित कुल 22 देशों ने मत दिया; जिसमें भारत ने ईरान के विपक्ष में मतदान किया "[17] भारत ने प्रस्तुत मतदान युरोप अथवा अमरीका के दबाव में आकर नहीं किया बल्कि ' अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी ' के प्रावधानों का पालन न किये जाने के कारण किया है |

संक्षेप में यह कहा जा सकता है, राजनीतिक परिवेश में भ्रष्टाचार, बेईमानी, दोगलेबाजी, अवसरवादिता के कारण अव्यवस्था का बोलबाला हो रहा है | भारतीय राजनीति की तरह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी अनेक परिवर्तन हुए | राजनीतिक परिस्थितियों का प्रभाव समाज पर भी परिलक्षित होता है |

1:2 **सामाजिक परिस्थिति** :-

भारतीय समाज परिवार, गाँव, कस्बे, नगर, जाति, धर्म-व्यवस्था, व्यक्ति-समाज के परस्पर-संबंध, राजनीति, औद्योगिकरण, आधुनिकीकरण आदि सबसे प्रभावित होता है | भारतीय समाज की जानकारी हेतु उपर्युक्त बातों, घटनाओं, क्षेत्रों का व्यक्ति और समाज पर प्रभाव किस तरह होता है, आदि के बारे में जानना आवश्यक है | अतः ' वर्ष-2005' की सामाजिक परिस्थितियाँ किस तरह रही; वह निम्नलिखित है |

1 **मोबाईल जगत्** : -

शहरीकरण के आधुनिक दौर में भारतीय परिवारों में विभक्त कुटुंब व्यवस्था निर्माण हुई हैं | माँ-बाप व्यवसाय एवं नौकरी हेतु दिन भर घर से बाहर जाने लगे हैं | वे बच्चों को ठीक से समय नहीं दे पाते | इसलिए विज्ञान से प्राप्त वरदान ' मोबाईल' के द्वारा वे अपने बच्चों से बातें करते हैं | मोबाईल ने भी अपनी पकड़ समाज पर मजबूत की है | स्कूल के छोटे बच्चे भी इससे अछूते नहीं रहे हैं | वे स्कूल-महाविद्यालयों में भी मोबाईल का प्रयोग करते हैं | इस बात पर गौर करते हुए ' वर्ष - 2005 ' में " दिल्ली के स्कूलों ने स्कूल क्षेत्र में मोबाईल का प्रयोग करने पर बंदी लगाई |" [18] इससे बच्चे स्कूल के क्षेत्र में मोबाईल का प्रयोग नहीं कर पाएँगे | पढ़ाई के समय वे निश्चिंतता के साथ पढ़ाई कर सकेंगे | मोबाईल की रिंग टोन बजने से कक्षा में छात्रों में खलबली नहीं मचेगी |

2. **किसान** :-

भारत कृषि प्रधान देश है | किसान अन्नदाता हैं, जो अपनी खेती में दिन-रात परिश्रम करके अनाज की निर्मिति करता हैं | किसानों को खेती में अच्छी से अच्छी फसल निर्माण करने के लिए बीज, खाद् एवं फसलों के लिए पानी की उचित मात्रा अनिवार्य होती है |इन बातों के लिए सरकार की ओर से किसानों को उर्वरक दिया जाता था | लेकिन वैश्विकीकरण के दौर में ये सुविधा अब इन्हें नहीं मिलती | वैश्विकीकरण के अंतर्गत आयात-निर्यात के समय विदेशों से बाजार में अनाज आदि चीजें विपुल मात्रा में आती हैं |अतः भारतीय किसानों के माल, उत्पादनों की विक्री को उचित कीमत नहीं मिलती | गन्ने से बननेवाली शक्कर आदि की निर्यात भी कम मात्रा में होती है | अतः अपनी खेती में

लागत रुपयों को अपनी फसल की कीमत द्वारा प्राप्त न होने से प्रस्तुत वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्या की खबरें समाचार-पत्रों की सुर्खियों में चमकी | यह परिस्थिति दलालों द्वारा गरीब किसानों को फँसाया जाना, किसानों का ऋण अदा न कर पाना आदि कारणों से निर्माण हुई थी |

3. **नक्सलवादी** :-

किसानों का शोषण उच्च वर्ग द्वारा होता हैं | अत: कुछ किसान इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं | अपना हक़ छीनकर लेने में विश्वास कर रहे हैं अत: वे बंदूक जैसे शस्त्रों से अपना काम ले रहे हैं | हथियारों से काम पूरा करनेवाली विचारधारा होने से समाज इन्हें ' नक्सलवादी ' कहता है | समाज पर इनका प्रभाव बढ़ रहा हैं | इसी संदर्भ में प्रस्तुत वर्ष " कर्नाटक राज्य में छ: पुलिसवालों को नक्सलवादियों ने घेरा |" [19] इस तरह नक्सलवादी अपना हक़ पाने के लिए पुलिस से भी दो हाथ कर रहे हैं | इनकी गतिविधियों में कमी नहीं आई | यह बात स्पष्ट होती है |

4. **समाज में बढ़ता आतंक** :-

आतंकवादी सामान्य जनता के मन में भय निर्माण करने के लिए सांस्कृतिक स्थलों, सार्वजनिक स्थलों को अपना निशाना बनाते हैं | इसके लिए वे सार्वजनिक वाहनों का भी प्रयोग करते हैं | प्रस्तुत वर्ष इसी संदर्भ में, " उत्तर प्रदेश में जौनपुर और सुल्तानपुर स्टेशनों के बीच हरपालगंज स्टेशन के निकट पटना से दिल्ली आ रही ' श्रमजीवी एक्सप्रेस ' के साधारण कोच में बम फटने से आग लगी |" [20] आतंक प्रभावित इस एक्सप्रेस के यात्रियों में खलबली मची | 18 यात्री स्फोट में मारे गये और कोच के अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए | इससे आतंक प्रभावित रेल में यात्रा करनेवाले लोगों के मन में भय निर्माण हुआ और आम जनता इस हादसे से ड़र गई कि, सार्वजनिक वाहनों से यात्रा कैसे की जा सकती है ? इस तरह समाज में आतंक दिन-ब-दिन बढ़ रहा है |

5. **सूचना का अधिकार** :-

समाज हित के लिए कानून अनेक नियम बनाता है | सामाजिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए ' वर्ष - 2005 ' में " अदालत द्वारा ' सूचना का अधिकार ' यह अधिनियम बनाया |" [21] इस अधिनियम के अंतर्गत भारतीय अपने अधिकारों के प्रति सचेत होकर अन्याय के विरोध में अदालत में

जाकर न्याय माँग सकते हैं | सामान्य जनता के अंतर्गत महिलाओं, बाल कामगार, ग्राहक आदि को सुविधा दी गई हैं | यह निर्णय समाज कल्याण के लिए हितैषी है |

6. **महिलाओं का अधिकार** :-

सामान्य जनता के साथ ही सरकार ने महिलाओं को न्याय मिले इसलिए अधिनियम बनाया | जिससे शारीरिक, मानसिक, मौखिक, आर्थिक व यौन उत्पीड़न सहित सभी तरह की पारिवारिक हिंसा से महिलाओं का संरक्षण मिलेगा | प्रस्तुत वर्ष " घरेलु उत्पीड़न से महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए संसद ने महामहिम राष्ट्रपति की मंजूरी से ' प्रोटेक्शन ऑफ विमेन फ्रॉम द डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट, 2005 ' अधिनियम पारित किया था |" [22] प्रस्तुत अधिनियम में उत्पीड़न की शिकार हुई महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सेवाएँ देने का प्रावधान है अतः शुल्क की चिंता न होने से निराधार, आर्थिक विपन्नता से पीड़ित महिलाओं को इससे लाभ होगा | वे न्याय पाने के लिए अदालत का दरवाजा जरूर खटखटाएँगी |

7. **गुटखा विरोधी अधिनियम** :-

बाजार में गुटखा, मावा, तंबाकू आदि विघातक खाद्यपदार्थों का चलन बढ़ रहा हैं | इससे व्यापारियों को तो फायदा होता है, लेकिन युवा पीढ़ी अपना भविष्य खतरे में ड़ाल रही हैं | अतः गोवा सरकार ने " गुटखा व अन्य हानिकारक खाद्य पदार्थों के उपभोग तथा इनकी बिक्री एवं भंड़ारण पर रोक लगाने की घोषणा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ' मा.दयानंद नार्वेकर ' ने की |" [23] इससे युवा वर्ग अधिक मात्रा में नशा की ओर बढ़ रहा है | जो अनेक बीमारियों का शिकार हो रहा हैं उस पर अब रोक लग जाएगी | ये कानून जनता के लिए लाभप्रद सिद्ध हुआ |

8. **धूम्रपान के दृश्यों पर प्रतिबंध** :-

दूरदर्शन की समाज मन पर मजबूत पकड़ हैं | युवा पीढ़ी का भी यह आकर्षण हैं अतः टी.वी. पर प्रदर्शित कार्यक्रमों का अनुकरण अधिक मात्रा में होता है | इसे युवा पीढ़ी फैशन इस नाम से पसंद करती हैं | ' फैशन ' के तौर पर ही किए गए व्यसनों का आधार कहीं न कहीं टी.वी. का माध्यम है | अतः प्रस्तुत वर्ष तम्बाकू उत्पादों के प्रसार पर अंकुश लगाने के मामले में गम्भीर रूख अपनाते हुए "

सरकार ने अब फिल्मों, टी.वी. धारावाहिकों में दिखाए जानेवाले धूम्रपान के दृश्यों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया |" [24] इससे प्रस्तुत दृश्यों से प्रभावित होकर व्यसन करनेवाले लोगों की संख्या में कमी होगी जिससे जनता व्यसन मुक्त होने की ओर अपने कदम बढ़ायेगी |

9. **<u>शीत-पेयों पर रोक</u>** :-

बाजार में देशी-विदेशी वस्तुओं का व्यापार बड़ी मात्रा में होता हैं | शीत-पेयों की अनेक कंपनियाँ फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता द्वारा शीत-पेय का विज्ञापन कराते हुए युवा पीढ़ी का ध्यान अपनी वस्तुओं की ओर आकृष्ट करती हैं | विज्ञापनों को देखते हुए समाज इन वस्तुओं की अच्छाई-बुराई को टटोलता नहीं; जाँचता परखता नहीं | प्रदूषण नियंत्रक बोर्ड द्वारा इन वस्तुओं को परखा जाता है | " प्रस्तुत वर्ष ' प्रदूषण नियंत्रक बोर्ड ' ने ' कोका कोला ' इस शीत - पेय पर रोक लगा दी |" [25] इसमें कुछ हानि-करनेवाले घटक नज़र आये | यह फैसला समाज के लिए हितकारक है |

10. **<u>वरिष्ठ नागरिक</u>** :-

60 वर्ष की आयु से अधिक आयुवाले व्यक्तियों को ' वरिष्ठ नागरिक ' कहा जाता है | वरिष्ठ नागरिकों को जीवन के इस दौर में स्वजनों से प्रेम, सुरक्षा मिलना अनिवार्य होता है | वरन् बुढ़ापे में अकेलापन, असुरक्षा का सामना करने में वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से असमर्थ होते हैं | अतः उनकी सुरक्षा एवं आजीवन कमाई हुई पूँजी के लिए सरकार ने एक अधिनियम बनाया | " वरिष्ठ नागरिकों द्वारा बैंकों में जमा की गई राशि पर आम नागरिकों के व्याजदर से आधा प्रतिशत ब्याजदर अधिक दें |" [26] यह कदम वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी है | इसके साथ ही उनके सम्मान को बढ़ावा देने का प्रयास हैं |

11. **<u>सर्व शिक्षा अभियान</u>** :-

शिक्षा की पहुँच सभी लोगों विशेषतः दुर्बल एवं तिरस्कृत वर्गों तक संभव बनाने के उद्देश्य से ' वर्ष 2005' में ' सर्व शिक्षा अभियान ' का प्रारंभ हुआ | इसके अंतर्गत हर गाँव और कस्बों में भी पहली से चौथी कक्षा तक बच्चों को पढ़ाने के लिए पाठशालाओं का निर्माण किया गया | इसका लाभ

किसान, मजदूर, हर वर्ग, वर्ण के लोग ले रहे हैं इस कारण शिक्षाप्रद भारत का निर्माण होने में सफलता मिली |

12. **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन** :-

देश में ग्रामीण जनसंख्या विशेषतः महिलाओं, बच्चों, बूढ़े व्यक्तियों का स्वास्थ्य अच्छा न रहने के कारण " सरकार ने ' राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन ' का आरंभ किया |" [27] इसका केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ' मा.ए.रामदास ' व प्रधानमंत्री ' मा.मनमोहन सिंह ' द्वारा शुभारंभ हुआ | इसके माध्यम से समुचित हाइजीन, सैनीटेशन, न्यूट्रीशन व स्वच्छ पेय जल का समन्वयन किया जाएगा | इसके अंतर्गत माता-शिशु का स्वास्थ्य, मोतिया बिन्दु ऑपरेशन, कुष्ठ रोग, क्षय रोग, डेंगू, फिलेरिया के मामले पर नियंत्रण लगाने का प्रयास किया जाएगा | तथा अस्पताल की सुविधा भी दी जाएगी | इस तरह सरकार द्वारा ग्रामीण लोगों के स्वास्थ्य के लिए किया गया यह फैसला ग्रामीण गरीब जनता के लिए हितैषी साबित हुआ |

13. **प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित समाज** :-

' वर्ष - 2005 ' में प्राकृतिक आपदाओं के कारण समाज जीवन पर बुरा असर पड़ा | महाराष्ट्र में हुई मूसलाधार वर्षा के कारण जन-जीवन व्यस्त रहा | उनका जीवन तहस-नहस हो गया | बाढ़ की स्थिति निर्माण होने से कई लोगों के मकान पानी में ढ़ह गए | अनगिनत लोगों की एवं जानवरों की मृत्यु हुई | बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण लाने के उपरांत गंदगी एवं बदबू के कारण लोग बीमार पड़ गए |

जम्मू में भी हिमनदियों के कारण बाढ़ की स्थिति निर्माण हो गई | इस तरह बाढ़ के कारण समाज जीवन में उथल-पुथल मच गई |

14. **हवाईसेना की निर्देशक नारी** :-

आज कोई भी क्षेत्र नारी के योगदान के सिवा अछूता नहीं रहा है | ' वर्ष - 2005 ' में नारियों ने बुध्दि, कर्तृत्व से लड़कियाँ लड़कों से कम नहीं, यह दिखाया है | इसी संदर्भ में " पहली भारतीय स्त्री

' सुषमा चौटाला ' हवाईसेना की निर्देशक बनी |" [28] यह समाज में महिलाओं की उन्नति की गरिमामयी घटना है |

15. **खेलों में नारी** :-

हर देश में खेलों का अलग महत्त्व है | इससे व्यक्ति का शरीर सुगठित रहता है | अतः स्वस्थ तन से मन भी प्रसन्न रहता है | इसमें खिलाड़ी सफल कोशिश करके अपना अलग रिकार्ड बनाते हैं | खेल में कैरियर भी बनाया जाता है | इसमें नारियाँ भी अपना नाम कमा रही हैं | यह खेल की प्रतियोगिता विदेश में भी होती है | ' मोनॅको ' शहर की ' ॲथलेटिक्स ' प्रतियोगिता में ' अंजु बॉबी जॉर्ज' विश्व की लाँग जम्प स्टार बनी; उसने रौप्यपदक जीता |" [29] ' अंजु ' ने विश्व की खेल प्रतियोगिता में अपना नामांकन दर्ज करते हुए भारत को गौरव प्रदान किया |

' वर्ष - 2005' में टेनिस में अपनी प्रतिभा ' सानिया मिर्झा ' ने दिखाई | वह भारत की पहली टेनिसक्वीन है | इसी संदर्भ में " पहली भारतीय नारी टेनिसक्वीन ' सानिया मिर्झा ' ने ' ग्रॅण्ड् स्लॅम सिंगल टोर्नामेण्ट' में प्रवेश किया |" [30] इस प्रकार ' सानिया ' ने सफलता की अगली पायदान पर प्रवेश किया |

इस प्रकार नारियों ने स्वयं का और देश का नाम सुवर्णाक्षरों में लिखा | इस तरह भारतीय नारी का उत्कर्ष खेलों में प्रस्तुत वर्ष दिखाई दिया |

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि, समाज के जीवन-मूल्य बदल गए हैं | समाज जीवन में त्याग, विश्वास के स्थान पर स्वार्थ,भ्रष्टाचार, अनैतिकता, अहं ने ली है | इस प्रकार ' वर्ष - 2005 ' की सामाजिक परिस्थितियाँ बनी रही |

1.3 **आर्थिक परिस्थिति** :-

भारत की आर्थिक परिस्थिति में निरंतर प्रगति होने हेतु योजनाबद्ध पंचवर्षीय योजनाओं का प्रयोग किया जाता है | इन योजनाओं में शिक्षा, आरोग्य की सुविधाएँ, बेरोजगारी आदि को कम करने के लिए अनेक योजनाओं का प्रयोग किया जाता है | ' वर्ष - 2005 ' में कई योजनाएँ कार्यान्वित हुई | जिनका प्रभाव देश की आर्थिक परिस्थिति पर परिलक्षित हुआ | प्रस्तुत वर्ष की आर्थिक परिस्थिति निम्नलिखित रुप में रही | इसका विवेचन निम्नलिखित प्रकार से है -

1.3.1 **राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **शेअर बाजार में बढ़त** : -

शेअर बाजारों की कीमतें जिन पर विश्व के बाजार का परिणाम होता है | इन शेअर बाजारों की कीमतें निरंतर घटती या बढ़ती रहती हैं | इनके कारण सोना, हीरा आदि मौल्यवान चीजों की दरों में भी परिवर्तन होते रहते हैं | इसके सिवा महँगाई की दरों में भी परिवर्तन होता रहता हैं | ' वर्ष ञ 2005 ' में " शेअर बाजारों का उच्चांक 6679.20 पर बंद हुआ, यह वृद्धि 76 बिंदुओं की थी |" [31] इस तरह शेअर बाजार में हुई वृद्धि के कारण शेअर मार्केट तेजी में रहा | शेअर खरीदनेवालों की संख्या में वृद्धि हुई | इस तरह शेअर बाजार की वृद्धि का परिवर्तन आर्थिक विकास के लिए लाभदायक रहा |

2. **बैंक ऑफ बड़ौदा लोकाभिमुख** : -

बैंकों का हर देश के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण सहयोग होता हैं | बैंकों के कारण देश को ब्याज, राष्ट्रीय बचत आदि के द्वारा लाभ होता हैं | भारत में कार्यरत अनेक बैंकों में से ' बैंक ऑफ बड़ौदा ' ने भी अधिक सुयश प्राप्त किया है | इसने अपने विश्वासपूर्ण कार्य एवं सेवा के कारण थोड़े ही दिनों में स्वयं का और देश का विकास किया है | ' वर्ष - 2005' में " अपने बढ़ते हुए कार्य को देखते हुए ' बैकं ऑफ बड़ौदा ' ने ' मुंबई' में 24 घंटे सेवा देनेवाली नई शाखा का निर्माण किया |" [32] इससे जनता को फायदा होगा साथ ही बैंक का भी फायदा होगा | बैंक ग्राहकाभिमुख हो गई हैं, इसलिए अधिक मात्रा में ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी |

3. **कारटोसेट का प्रक्षेपण** :-

' भारत-चीन भाई-भाई ' का नारा बुलंद करने की दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया | भारत-चीन सरकारों में विचार-विमर्श हुआ | उसमें ' कारटोसेट ' का प्रक्षेपण कराने की बात की गई | इस प्रक्षेपण के अंतर्गत छः महीने में देश की सीमाओं का रेखांकन किया जायेगा | इससे सीमाप्रश्न का निर्माण नहीं होगा | सीमा-प्रश्न के कारण युद्धों में होनेवाला अतिरिक्त खर्च भी बच जाएगा, जो देश की आर्थिक उन्नति के लिए अन्य योजनाओं में सहयोगी होगा |

4. **आपद्ग्रस्त जनता की सहायता** :-

आर्थिक परिस्थिति में वृद्धि के साथ त्सुनामी, बाढ़, धरणीकंप इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्रस्तुत वर्ष आर्थिक परिस्थिति को क्षति पहुँची | आपद्ग्रस्त जनता के मकानों की हानि हुई, जीवित एवं वित्त हानि हुई | इनकी सहायता के लिए सरकार द्वारा राहत राशि दी गई | " त्सुनामी पीड़ित लोगों के लिए 2731 करोड़ रूपए की सहायता कॅबिनेट द्वारा की गई | तथा जम्मू-काश्मीर और महाराष्ट्र की बाढ़ पीड़ित जनता को प्रधानमंत्री द्वारा 30 करोड़ रूपए की राशि उपलब्ध की गई |" [33] इस प्रकार प्रस्तुत राशि द्वारा आर्थिक सहायता करने से आपद्ग्रस्त जनता की स्थिति में परिवर्तन आया | उनका पुनर्वसन होने में मदद् हुई |

5. **आर्थिक परिस्थिति में सुधार लाने हेतु सरकार द्वारा किया गया फैसला** :-

कश्मीर का कुछ हिस्सा ' भारत ' में तो कुछ हिस्सा ' पाकिस्तान ' के क्षेत्र में आता है | इस क्षेत्र में निरंतर आतंकवादी अपनी हलचलें बढ़ाते रहते हैं | अतः कश्मीर में शांति फैले, वहाँ के लोग खुशी एवं सुकून के साथ रहे इस दूरदृष्टि के साथ ही तत्कालीन भारत-पाकिस्तान की सरकारों ने ' श्रीनगर-मुजफ्फराबाद ' बस संपर्क स्थापित किया | इससे दोनों देशों में निर्यात बढ़ेगी | आयात-निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा की वृद्धि से देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा | विदेशों से व्यापार बढ़ाने एवं पर्यटन का विकास होने की संभावना बढ़ी | जो आर्थिक परिस्थिति के लिए लाभप्रद होगी |

6. **ऊर्जा क्षेत्र** :-

उद्योगों में बिजली की माँग दिन-ब-दिन अधिक बढ़ रही है | इस माँग के अनुसार बिजली में अधिक बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है | अतः बिजली की कटौती अधिक मात्रा में की जाती है | अतः " ' महाराष्ट्र ' राज्य में उर्जा के क्षेत्र में 32,000/- करोड़ रूपए की सहायता निधि सरकार द्वारा दी गई | इससे राज्य में 8000 मेगावॅट बिजली का निर्माण होगा |" [34] इससे निर्माण हुई बिजली का प्रयोग अनेक कारखानों में हो सकेगा, जिससे उत्पादन बढ़ेगा | साथ ही अर्थ की प्राप्ति भी अधिक मात्रा में होगी |

7. **रेल-एवं सड़क मार्ग** :-

आर्थिक वृद्धि का सीधा संबंध रेल एवं सड़क उपलब्धि से है | इन्हीं मार्गों से आम जनता की यात्रा, उत्पादनों, वस्तुओं का आवागमन किया जाता है | अच्छी रेल एवं सड़क मार्ग से यातायात करने में सुविधा होती है | अतः रेल आधुनिकीकरण के तहत् भारतीय रेलवे को श्रेष्ठतम रेलों में एक बनाने हेतु सरकार की ओर से प्रस्तुत वर्ष फैसला किया गया | इस संदर्भ में, " 25,000 करोड़ रूपए की लागत से दिल्ली-मुंबई तथा दिल्ली-कोलकाता के मध्य फ्रेट कॉरीड़ोर्स के विकास की घोषणा की | तथा ' सड़क विकास की स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ' के तहत् 30,000 किमी अतिरिक्त सड़क मार्ग को 6 लेन का बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री ' मा.डॉ.मनमोहन सिंह ' ने की |" [35] इससे मालगाड़ियों का तीव्र गति से परिचालन हो सकेगा | इस तरह आर्थिक विकास हो इसलिए रेल तथा सड़क मार्ग का निर्माण किया जाएगा | जिससे व्यापार वृद्धि, मालगाड़ियों द्वारा आनेवाले या जानेवाले मालों द्वारा होगी |

8. **नदी जोड़ परियोजना** :-

भारत कृषिप्रधान देश है | खेती को सिंचाई द्वारा पानी मिले और अच्छी फसलों का निर्माण हो इस उद्देश्य के साथ देश की सभी नदियों को आपस में जोड़ने की योजना की दिशा में प्रस्तुत वर्ष एक बड़ी पहल आरंभ हुई | उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बेतवा और केन नदियों का प्रवाह हैं | इन दो नदियों को जोड़कर केन नदी का पानी उत्तर प्रदेश में बेतवा में स्थानांतरित किया जायेगा | इसलिए

केन नदी पर एक बाँध बनाकर वहाँ से नहर द्वारा ये पानी झाँसी से निकट बहनेवाली ' बेतवा ' में मिले | इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ' मा.मुलायम सिंह यादव ' और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ' मा.बाबूलाल गौर 'ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री ' मा.मनमोहन सिंह ' जी से अनुमति ली | " प्रस्तुत 231 कि.मी. नहर एवं नहर के मार्ग में बनाये जानेवाले कुछ जलाशयों को बनाने का कार्य 8 वर्ष की अवधि में पूरा किया जायेगा | इस कार्य पर लगभग 4263 करोड़ रूपए व्यय का अनुमान लगाया गया |" [36] इस परियोजना से 72 मेगावाट विदयुत का निर्माण होगा | साथ ही विदिशा, छत्तरपुर, टीकमगढ़ व पन्ना के लगभग 8.81 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की व्यवस्था भी हो सकेगी | इससे बिजली निर्माण तो होगी ही और कृषि क्षेत्र के विकास से देश का विकास होगा |

1.3.2 **अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **आर्थिक बढ़त** :-

हर देश अपना आर्थिक विकास दिन-ब-दिन बढ़ते रहने हेतु प्रयत्न करता रहता हैं | इसलिए आर्थिक बढ़त की जानकारी ' अमरीका ' हर वर्ष देता है | ' वर्ष - 2005 ' में अमरीका ने यह प्रतिवेदन प्रस्तुत किया कि, " विश्व की आर्थिक वृद्धि प्रस्तुत वर्ष में 3.25% से न्यून हो गई |" [37] इससे विश्व स्तर पर आर्थिक स्थिति सँवरने के बजाय -हास की ओर जा रही है, ऐसी स्थिति दिखाई देती है |

2. **त्सुनामी** :-

' त्सुनामी ' की चपेट से आतंकित, भयभीत हुई जनता की मदद् के लिए देश-विदेशी सरकारों द्वारा त्सुनामी पीड़ित लोगों की सहायता के लिए राहत राशि दी गई थीं | " जपान इस तंत्रज्ञान प्रगत राष्ट्र ने त्सुनामी पीड़ित देशों को 500 डॉलर की सहायता की |" [38] इससे त्सुनामी पीड़ित जनता का जनजीवन तहस-नहस हो गया था; वह सुधरने में सहायता उपलब्ध हुई |

3. <u>अनुदान</u> :-

विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति ' बिल गेट्स ' ने बच्चे अगली पीढ़ी का द्योतक है, यह जानकर उनके प्रति अपना कर्तव्य समझकर अनुदान दिया | " ' बिल गेट्स ' ने 750 डॉलर बच्चों के टीकाकरण के लिए अनुदान दिया |"[39] इससे देश की नई पीढ़ी को अर्थात् बच्चों को फायदा हुआ | इससे बच्चों का स्वास्थ्य ठीक रहने में मदद् होगी |

भारत में आर्थिक प्रगति के साथ ही बेरोजगारी, महँगाई की समस्या विकराल रूप धारण कर रही हैं | किसान ऋण के बोझ से लदे जा रहे हैं | प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के कारण अर्थ-व्यवस्था में विषमता निर्माण हो गई है | आर्थिक विषमता के कारण समाज में उच्च-मध्यम-निम्न ऐसी वर्ग श्रेणियाँ दृष्टिगोचर होती हैं | इन वर्ग श्रेणियों के कारण समाज का आर्थिक विकास नहीं हो रहा हैं | लोग स्वार्थ सिद्धि में रत होने लगे हैं | इस संदर्भ में ' देवेश ठाकुर ' का मंतव्य विचारणीय है, " जब पैसा ही सामाजिक प्रतिष्ठा की कसौटी बन जाता है, तब ऐसी स्थिति समाज में विघटन और संघर्ष के अतिरिक्त और क्या ला सकती है |"[40] इस प्रकार समाज में आर्थिक विषमता दिखाई देती है |

' वर्ष - 2005' में देश और विदेश की आर्थिक परिस्थिति में परिवर्तन हुए | सरकार द्वारा आर्थिक विकास हेतु अनेक परियोजनाओं का प्रारंभ किया गया | इस तरह प्रस्तुत वर्ष आर्थिक परिस्थिति के अंतर्गत अनेक परिवर्तन हुए |

1.4 **<u>धार्मिक परिस्थिति</u>** :-

धर्म के लिए ' धारयते इति धर्मः ' ऐसा कहा जाता है | जिसके अनुसार आचरण किया जाए उसे ' धर्म ' कहते है | धर्म ही जीवन का मूल आधार है | धर्म का नाम लेकर ही मानव चिंतन करता है तो कभी-कभी इसी धर्म का आधार लेकर सांप्रदायिक दंगे छिड़ जाते हैं जिससे अमानवीय रुप भी दृष्टव्य होते हैं | इसीलिए ' कार्ल मार्क्स ' ने धर्म को ' अफीम ' कहा है | भारत विविधता में एकता दिखानेवाला देश है | भारत में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं | इसमें हिंदू, मुस्लिम, सीख, ईसाई, जैन

आदि हैं | इन धर्मों के उपपंथ भी हैं | भारतीय संविधान ने सभी धर्मों को समान महत्त्व दिया है | भारत धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है |

' वर्ष - 2005' में धार्मिक परिस्थितियों के अंतर्गत अधिकतर कोई बदलाव नहीं आया | कुछ धार्मिक घटनाएँ हुई जिनका असर देश के कुछ संवेदनशील लोगों पर पड़ा | जिससे ' वर्ष -2005' की धार्मिक परिस्थिति प्रभावित रही |

1.4.1 **राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **बाबरी मस्जिद विध्वंस कांड** :-

' वर्ष - 2005' के मध्य में 1992 में घटित ' बाबरी मस्जिद विध्वंस कांड 'में घटित घटनाओं के अंतर्गत ' प्रस्तुत केस के संदर्भ में भाजप के वरिष्ठ नेता ' मा.लालकृष्ण अडवानी ' और अन्य सात भाजप के नेताओं को विशिष्ट अदालत ने दण्ड किया था | बाबरी मस्जिद का मामला अयोध्या इस राम जन्म भूमि पर दि. 6 दिसंबर,1992 में घटित हुआ था | प्रस्तुत विध्वंस कांड में धर्म के नाम पर झगड़े ने भीषण, विकराल रुप धारण किया था | इस कारण हिन्दु-मुस्लिम के निरपराध लोगों पर अत्याचार हुए थे | ' बाबरी मस्जिद ' केस से संबंधित नेताओं को राष्ट्रीय एकता पर प्रतिकूल प्रभाव ड़ालनेवाला भाषण देने के कारण सी.बी.आई. की अदालत द्वारा व्यक्तिगत रुप से उपस्थित रहने को कहा गया तथा मुकदमा चलाने का आदेश दिया गया था | इससे धर्म के सहारे सांप्रदायिक झगड़ों को बढ़ावा देने के जुर्म के लिए राजनेताओं को भी आम नागरिक के समान ही मानकर उन्हें दंड़ित किया जाता है, यह स्पष्ट होता है |

2. **देशद्रोह** :-

हर व्यक्ति को अपने धर्म पर गर्व होता है | इस गर्व को अगर ठेंस पहुँचे तो व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की जान लेने पर भी उतारु हो सकता है | इसलिए व्यक्ति नैतिक-अनैतिक मूल्यों को नकार कर अपने धर्म के नाम पर अनुचित कार्य करने को तैयार होता है | कभी-कभी धर्म के इस अभिमान के कारण मानव गलतियाँ करता है | इसी संदर्भ में, " प्रस्तुत वर्ष गणतंत्र दिन पर 8 सीखों ने भारतीय राष्ट्र्ध्वज फहराने के बजाय ' सीख धर्म ' का झण्ड़ा ' अमृतसर ' में फहराने की कोशिश की |" [41]

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

पुलिस ने राष्ट्रद्रोह का इल्जाम लगाते हुए उन 8 सीखों को अपनी हिरासत में ले लिया | इस प्रकार धर्म की उन्नति के लिए अवैध मार्ग अपनाकर उन 8 सीखों ने अपना भविष्य खतरे में ड़ाल दिया | इससे राष्ट्रध्वज का अपमान करनेवाले नागरिक राष्ट्र के सामने समान हैं और राष्ट्र के प्रति देशद्रोह करनेवालों को सजा दी जाती हैं, जिससे ऐसी घटना जनता द्वारा दोहरायी न जाए |

3. **अमरनाथ का महत्त्व** :-

अमरनाथ भगवान शिव का पवित्र धर्मस्थल है | बर्फीला, कठिन रास्ता होते हुए भी हर वर्ष इस पवित्र स्थल की यात्रा करने हेतु हजारों की संख्या में यात्री आते हैं | ' अमरनाथ ' की विशेषता है, बर्फ का शिवलिंग यहाँ अपने आप तैय्यार होता है | इसलिए स्वयंभू बर्फ का शिवलिंग यहाँ देखने के लिए यात्री पूरी श्रद्धा के साथ इस दुर्गम स्थल पर आते हैं | इसमें सरकार की ओर से यात्रियों की सेवा, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधाओं का उचित प्रबंध किया जाता है | " प्रस्तुत वर्ष 47,000 यात्रियों ने अमरनाथ यात्रा सफलता से पूरी की |" [42] प्रस्तुत वर्ष की विशेषता यह रही कि, इस वर्ष कोई भी आतंकवादी कार्रवाई सफल नहीं हुई | सुरक्षा दलों की निगरानी में यात्रियों ने सफलता से 'अमरनाथ ' के दर्शन किये |

4. **मांढ़रदेवी यात्रा** :-

वैज्ञानिक युग में भी अनगिनत लोग अंधविश्वास के कारण या श्रद्धा भाव के कारण देवी-देवताओं की यात्रा करते हैं | ' महाराष्ट्र ' के ' सातारा ' जिला के अंतर्गत ' वाई ' तहसील है | वहाँ पर हर वर्ष ' मांढ़रदेवी ' का बहुत बड़ा उत्सव का आयोजन किया जाता है | इस धार्मिक उत्सव में हर वर्ष बहुत भीड़ रहती हैं | प्रस्तुत वर्ष " एक होटल में सिलिंडर गैस के लीक् होने के कारण लगी आग से नजदीकी 400 दुकानें जल गई | देवी के दर्शन के लिए खड़े यात्रियों ने जब यह समाचार सुना तो वे हड़बड़ा गए और इधर-उधर भागने लगे अतः 300 लोगों की मृत्यु हुई |" [43] अतः कहा जा सकता है, भीड़ तथा असावधानी से धार्मिक उत्सवों के समय दुर्घटना घटी |

5. **धार्मिक स्थलों पर भी छाया रहा आतंकवाद** :-

आम जनता के मन में भय समा जाये इसलिए आतंकवादी धर्मस्थलों का आधार ले रहे हैं | प्रस्तुत वर्ष राम जन्मभूमि परिसर पर आतंकवादियों ने अचानक हमला किया | " छः सशस्त्र आतंकवादियों ने अयोध्या में अति संवेदनशील एवं कड़ी सुरक्षा वाले विवादित राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए इस परिसर में स्थित रामलला मंदिर तक पहुँचने का प्रयास 5 जुलाई,2005 को किया |" [44] आतंकवादी श्रद्धालुओं के भेष में जीप द्वारा आये | जीप को उड़ाकर वहाँ उपस्थित भीड़ को हटाकर गोलियाँ चलाते हुए जन्मभूमि परिसर की ओर बढ़ने लगे | जीप में हुए विस्फोट में एक आतंकवादी मारा गया | जबकि शेष पाँच आतंकवादियों को रामलला मंदिर तक पहुँचने से पहले ही सुरक्षा बलों ने मार गिराया | इस आतंकी मामले में सी.आर.पी.एफ. के तीन जवान घायल हुए | इस आतंकी मामले के बाद देश के सभी संवेदनशील धर्मस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई |आतंक से अब धर्म क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं रहे |

6. **अल्पसंख्यक का दर्जा** :-

' धर्म ' जनता की हृदयगत, संवेदनशील बात है | हर व्यक्ति संप्रदाय, धर्म को बढ़ावा देने के लिए कोशिश करते रहते हैं | प्रस्तुत वर्ष ' जैन ' समुदाय के लोगों ने अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त होने हेतु सर्वोच्च न्यायालय में माँग की थी | लेकिन " दूरगामी महत्त्व के एक फैसले के तहत् सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ' आर.सी.लाहोटी ' ने जैन समुदाय के लोगों को अल्पसंख्यक का दर्जा प्रदान करने की माँग को अस्वीकार कर दिया |" [45] प्रस्तुत फैसले से भारतीय समाज में कोई वर्ग या जाति अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक होने का दावा नहीं करेगी | धार्मिक संप्रदायों को बहु या अल्प संख्यक की श्रेणी में स्थान पाने की परंपरा हतोत्साहित हो जाएगी | राष्ट्र को कमजोर करनेवाली विभाजनकारी शक्तियों को बढ़ावा नहीं मिल पायेगा | संविधान द्वारा ' धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र ' की संकल्पना कायम रह सकेगी |

1.4.2 **अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **जर्मनी में पोप का चयन** :-

प्रस्तुत वर्ष 264 वें ' पोप जॉन पॉल द्वितीय ' का लंबी बीमारी के कारण निधन होने के पश्चात् नौ दिन का शोक घोषित किया | साथ ही नए पोप के चयन की प्रक्रिया शुरु हुई | नए पोप के चुनाव तक कार्डिनलों के प्रमुख कैमेर लेंगो ' वेटिकन सिटी ' के प्रभारी होते हैं | कार्डिनल अर्थात् हर प्रदेश के चर्च के धर्मगुरु; जिनका नाम जर्मन के कैथोलिक समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु अर्थात् पोप के पास हो | पहले दौर में मतों की गणना कार्डिनलों के प्रमुख कैमेरलेंगो अपने तीन सहायकों द्वारा करते हैं | पोप पद निर्वाचन हेतु संबंधित व्यक्ति के पक्ष में 2/3 से 1 अधिक मत आवश्यक होता है | अगर ऐसा नहीं होता तो यह मतदान 30 दौर तक किया जाता है | बाद में 50% + 1 मत जिसे प्राप्त हो वह गुप्त मतदान द्वारा पोप के पद का अधिकारी बनता है | पोप बनने पर ' सिस्टीन चैपल ' की चिमनी से सफेद धुआँ बाहर आता है, जो आम जनता को ' वेटिकन ' में नए पोप के आने का संकेत देता है | " प्रस्तुत वर्ष ' जोसेफ रैटजिंगर ' रोमन कैथोलिक संप्रदाय के नए पोप चुने गए जो उनके पसंदीदा नाम ' पोप बेनेडिक्ट XVI ' के नाम से जाने जाएँगे |" [46] इनकी तलाश मतदान के पाँचवे दौर में पूरी हो गई थी ये अब 265 वे पोप हैं | इस प्रकार जर्मनी में पोप का चुनाव किया गया |

धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र ' भारत 'में प्रस्तुत वर्ष धार्मिक परिस्थितियों के तहत् मजहबी दंगे, आतंकवाद से प्रभावित धार्मिक स्थलों में उथल-पुथल मच गई | इससे मानवता लुप्त होने लगी | यह स्थिति शहरों में संकुचित और गाँवों में बड़ी मात्रा में दिखाई दी | इसके कारण व्यक्ति में कुंठा, वेदना, अकेलापन, अजनबीपन आदि विसंगतियों का आधिक्य दिखाई दिया |

संक्षेप में यह कहा जा सकता है, ' वर्ष - 2005' में धार्मिक परिस्थितियों में थोड़ेसे परिवर्तन हुए जिनका समाज मन पर प्रभाव पड़ा | ये परिस्थितियाँ देश तथा विदेशों में दिखाई दी |

1.5 **सांस्कृतिक परिस्थिति** :-

' संस्कृति + इक ' प्रत्यय से 'सांस्कृतिक ' शब्द बन गया | ' संस्कृति ' का अर्थ है, " किसी व्यक्ति, जाति, राष्ट्र आदि की वे सब बातें जो उसके मन, रुचि, आचार-विचार, कला-कौशल और

सभ्यता के क्षेत्र में बौद्धिक विकास की सूचक होती है |" [47] अर्थात् संस्कृति का विकास समाज के सामूहिक प्रयत्नों के परिणाम हुआ करते हैं | यही कारण है कि संस्कृति का विकास मन्थर गति से होता है | सांस्कृतिक परिस्थितियों के कारण देश का सर्वांगीण विकास होता है | किसी भी देश या समाज की श्रेष्ठता उस देश या समाज के श्रेष्ठ सांस्कृतिक मूल्यों पर निर्भर रहती है | इस संदर्भ में ' अज्ञेय ' लिखते हैं, " सांस्कृतिक अस्मिता नकल से नहीं बनती, विदेशी मनोवृत्तियों और मनोभाव आयातित करके भी नहीं बनती, अपनी सही पहचान से बनती है | सांस्कृतिक जीवन के बारे में यह बात सबसे अधिक सत्य है कि, हम वही बन सकते हैं जो हम हैं |" [48] इस प्रकार कहा जा सकता है कि, हर देश या समाज की संस्कृति परंपरा के अनुरोध पर होती है और यह संस्कृति ही उनकी अलग पहचान बनाती है |

1.5.1 **राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **पाथर पांचाली** :-

भारतीय नृत्यकला में अनेक प्रकार हैं | नृत्य के देवता ' नटराज ' हैं | नृत्य में कथकली, ओड़िसी ऐसी अनेक प्रकारों की धाराएँ हैं | नृत्य तो भारतीय संस्कृति का अंग है | भारत में हर वर्ष ' फिल्म फेस्टिव्हल ' समारोह का आयोजन किया जाता है | और फिल्मो में गीत के साथ नृत्य का भी अपना अलग महत्त्व है | अतः इस बात को जानते हुए " वर्ष - 2005 में ' शास्त्रीय विभाग ' के अंतर्गत ' पाथर पांचाली ' का नृत्य प्रस्तुत किया गया |" [49] यह एक नृत्य का अविष्कार है | इससे हमारी नृत्य की गरिमामयी प्राचीन संस्कृति दिखाई देती है | इसे देखकर फिल्म फेस्टिव्हल में उपस्थित लोग आनंद विभोर हो गए |

2. **मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत** :-

संगीत संस्कृति का अभिन्न अंग है | संगीत में भी अनेक धाराएँ हैं | इसमे पूर्वी, पश्चिमी, शास्त्रीय आदि का समावेश हैं | शास्त्रीय संगीत की परंपरा बहुत प्राचीन है | संगीत में इसका महत्त्व शरीर में प्राण जैसा है | इसकी एक उपशाखा ' मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत ' है | मुस्लिम शास्त्रीय संगीत भारत में मुगलों के आगमन के दरमियां आया | तब से इसका विकास भारत के दिग्गजों

अर्थात् कलाकारों ने करने की भरसक कोशिशें की | इसी संदर्भ में प्रस्तुत वर्ष " गंगुभाई हंगल जी के परिवार ने हुबली में ' मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत ' का कार्यक्रम प्रारंभ किया |" [50] इस तरह ' हुबली ' में पहली बार ' मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत ' का कार्यक्रम प्रारंभ किया | हंगल परिवार शास्त्रीय संगीत में अपना योगदान दे रहा है | ' गंगुभाई ' जी तो ' मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत ' के विशारद हैं | अतः हुबली में हंगल परिवार द्वारा ' मुस्लिम भारतीय शास्त्रीय संगीत ' का प्रारंभ सांस्कृतिक गौरव की बात है |

3. **दांड़ी यात्रा** :-

भारत के अहिंसा वादी प्रिय नेता ' गांधीजी ' थे | उनका पूरा नाम ' मोहनदास करमचंद गांधी ' था | स्वयं वकील होते हुए वकालत करते हुए अपना जीवन सुख, ऐशोआराम से बीता सकते थे, लेकिन इन्होंने अपना सारा जीवन ' अहिंसा ' इस तत्त्व पर कुर्बान कर भारत को आज़ादी दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की | इसीलिए आम जनता इन्हें ' महात्मा ' नाम से अभिहित करती है | उन्होंने अपने जीवन में अंग्रेजों द्वारा सन् 1930 में जारी किए गए कानून; नमक पर कर लेने की बात का विरोध करते हुए ' दांड़ी यात्रा ' की थी | और वहाँ समंदर किनारे जाकर नमक को उठाकर प्रस्तुत कानून का विरोध किया था | पैदल चली इस यात्रा में अनेक भारतीय लोगों ने उनका साथ दिया था | " प्रस्तुत वर्ष ' दांड़ी यात्रा ' को 75 वर्ष पूरे होने का पर्व मनाया गया |" [51] इससे भारतीय जनता ने ' महात्मा गांधी ' के सच्चरित्र, आचार-विचार, कर्मशील व्यवहार को श्रद्धांजलि अर्पित की | सारी भारतीय जनता गांधी एवं उनके कार्य को याद कर सद्भावना से कृतज्ञ हुई |

4. **दूरदर्शन** :-

' दूरदर्शन ' सरकार द्वारा चलाया जानेवाला एक चैनल है | इसके माध्यम से संस्कृति और भाषा का विकास होता है | आधुनिक युग में चैनलों की बढ़ती संख्या और इनके कारण निर्माण हुई स्पर्धा को देखते हुए दूरदर्शन अपनी सीमाएँ फैला रहा है |' वर्ष - 2005' में दूरदर्शन द्वारा यह घोषणा की गई कि, " डी.टी.एच. (Direct to Home) द्वारा 100 चैनल्स का प्रारंभ किया जाएगा |" [52] दूरदर्शन सरकार द्वारा चलाया जानेवाला एक ऐसा चैनल है, जिससे भारतीय नागरिक आचार-

विचार, रहन-सहन, त्यौहार आदि संस्कृतिमूलक बातों को उसके महत्त्व के साथ जानते हैं | 100 चैनलों के प्रभाव से भारतीयों को संस्कृति की पहचान और अधिक होगी | वे अपनी संस्कृति का संरक्षण करने की बात सोचेंगे | सोच के अनुसार आचरण करने से भारतीय आदर्श जीवन व्यतीत कर सकेंगे |

100 चैनल्स बढ़ाने के साथ ही " प्रस्तुत वर्ष ' उर्दू ' चैनल का प्रारंभ किया गया |" [53] उर्दू हिंदी की उपभाषा है | ' उर्दू' चैनल का प्रारंभ होने से ' उर्दू ' प्रेमी लोग खुश हुए जिनकी संख्या हजारों से उपर होगी | इस तरह चैनलों द्वारा सांस्कृतिक उन्नति भी होगी |

5. **राष्ट्रगान** :-

भारत हमारा देश है | भारत की सांस्कृतिक धरोहर ' राष्ट्रगान ' भी है | हमारा राष्ट्रगान ' जन गण मन ... हैं | इसमें भारत की महत्ता प्रतिपादित की है | इस ' राष्ट्रगान ' संबंधी ' वर्ष-2005 ' में दो महत्त्वपूर्ण फैसले लिए गए | बिहार की मुख्यमंत्री ' मा.राबड़ीदेवी 'और केंद्रीय रेल मंत्री ' मा.लालू प्रसाद यादव ' के विरूद्ध एक गैर सरकारी संस्था ' तिरंगा अभियान ' द्वारा दायर मामले में ' इंदौर ' की स्थानीय अदालत ने यह कहा | " भारतीय ध्वज संहिता 2002 तथा राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 में कहा है कि यदि कोई राष्ट्रगान के दौरान बाधा पहुँचाता है तो अपराध है, खड़ा रहना या ना रहना उसकी इच्छा पर निर्भर है |" [54] इससे यह कहा जा सकता है; ' राष्ट्रगान ' के समय खड़े रहना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है; यह हमारी संस्कृति है | अतः हमें अच्छे संस्कारों; देश के राष्ट्रगान के प्रति आदर होने के कारण राष्ट्रगान के समय खड़े होना चाहिए | कानून में खड़ा रहना अनिवार्य नहीं फिर भी ' राष्ट्रगान ' हमारी उज्ज्वल सांस्कृतिक धरोहर है अतः हमें इसका अभिमान होना चाहिए |

भारत के ' राष्ट्रगान ' से ' सिंध ' शब्द हटाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में ' संजीव भटनागर ' द्वारा याचिका दायर की गई थी | प्रस्तुत वर्ष इसी संदर्भ में केंद्र ने अपने शपथपत्र में कहा कि, " गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की इस ऐतिहासिक कृति में कोई भी बदलाव लगभग इसको नष्ट कर देगा; अतः 'सिंध ' शब्द राष्ट्रगान से निकाला नहीं जाएगा |" [55] क्योंकि इससे अनावश्यक विवाद भी हो

सकते हैं | ये सिर्फ साहित्यिक रचना नहीं ; इसका अपना अलग स्थान है | ' सिंध ' प्रांत अब ' पाकिस्तान ' में आता है यह बात सच है | लेकिन इस शब्द को ' राष्ट्रगान ' से काटने पर प्रस्तुत गीत से नया अर्थ नहीं निकलेगा | और यह ' राष्ट्रगान ' भौगोलिक सीमा से ऊपर उठ कर भारत की संस्कृति को दर्शाता है | यह ' भारत भाग्य विधाता ' अर्थात् सर्वशक्तिमान संबोधित गीत है | अतः सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ' राष्ट्रगान ' से ' सिंध ' शब्द न हटाने का फैसला उचित है, जो हमारी उदार संस्कृति को ही दर्शाता है |

1.5.2 **अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ** :-

1. **सौंदर्य प्रतियोगिता** :-

नारी का सौंदर्य उसे गरिमा प्रदान करता है | नारी के सौंदर्य एवं बुद्धि को प्रतियोगिता द्वारा परखने उसे विश्व में सम्मान देने हेतु ' मिस युनिव्हर्स ' इस वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है | प्रस्तुत प्रतियोगिता में विश्व की सभी देशों की नारियाँ अपने - अपने देश का प्रतिनिधित्त्व करती हैं | प्रस्तुत प्रतियोगिता में सौंदर्य के सिवा ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति आदि के बारे में सवाल पूछे जाते हैं | उनके बाद विजय प्राप्त प्रतिस्पर्धी को उस वर्ष का ' मिस युनिव्हर्स ' का सम्मान दिया जाता है | " वर्ष 2005 में भारत की ' अपर्णा थापर ' को यह सम्मान प्राप्त हुआ | " [56] इससे विश्व में ' भारत ' गौरव का पात्र बना |

1.6 **साहित्यिक परिस्थिति** :-

साहित्य समाज का अभिन्न अंग है, ऐसा कहा जाता है | साहित्य में तत्कालीन समाज की प्रवृत्तियाँ, आचार-विचार, संस्कृति का वहन होता है | उसमें निजी भावों और कल्पनाओं को व्यक्त किया जाता है | साहित्य में परंपरा, परिस्थिति, प्रकृति इनका वर्णन या विवेचन होता हैं | समाज में घटित घटनाओं का वर्णन साहित्य में किया जाता है | साहित्य में उपन्यास, कहानी, नाटक, पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख, धार्मिक विचारों के वहन् हेतु लिखे विद्वानों के विचारों के लेख, कविताएँ आदि का अंतर्भाव होता है |

साहित्य राजनीति, साहित्य और जीवन इनसे जुड़ा हुआ है | स्वार्थांधता, अवसरवादिता और अनुशासन हीनता राजनीति और जीवन में परिलक्षित होती हैं | इनके बारे में साहित्य लिखा जाता है | प्रगतिशील विचार किसी भी विषय संदर्भ में हो, उनका चित्रण ईमानदारी से किया जाता है | इनके लिए पत्र-पत्रिकाओं का माध्यम सुलभता से उपलब्ध है | साहित्य में श्रद्धा, मूल्य, नगरीय संस्कृति, यांत्रिकता, एकाकीपन का समन्वित रूप दिखाई देता है | कला-साहित्य का उद्देश्य बदल गया है | उनका ध्येय मानव की सौंदर्य की अनुभूति को ही प्रकट करना नहीं तो कलात्मक अनुभूतियों को प्रकट करते समय स्थूल शृंगारिकता एवं यौन भावनाओं को उजागर करना हुआ है | नये लेखकों को इसमें कोई भी बुरी बात नज़र नहीं आती |

1. **साहित्य अकादमी पुरस्कार** :-

अनुवाद लेखन एक कला है | अनुवाद लेखन साहित्य में किया जाता है | अनुवाद करते समय मूल रचना का आशय अनूदित भाषा में मूल रचनाकार के जैसा ही होना आवश्यक है | ' वर्ष - 2005 ' में बंगाल का सुप्रसिद्ध उपन्यास ' देवदास ' का अनुवाद प्रसिद्ध लेखिका ' मृणालिनी गड़करी ' ने मराठी में किया | अतः इस अनूदित उपन्यास का परीक्षण करते हुए " साहित्य अकादमी द्वारा प्रस्तुत वर्ष में ' देवदास ' इस अनूदित उपन्यास के लिए ' मृणालिनी गड़करी ' को अनुवाद के क्षेत्र में प्रसिद्ध अनुवादक का पुरस्कार देने की घोषणा की गई |" [57] इस तरह अनुवाद की कला में ' देवदास ' का अनुवाद उचित किया गया | प्रस्तुत पुरस्कार देने की घोषणा करके अनुवाद लेखन को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया |

2. **बाल-साहित्य सम्मेलन** :-

बच्चों के लिए ही जिस साहित्य का सृजन कियां जाता है, उसे ' बाल-साहित्य ' कहा जाता है | इनमें बच्चों की मानसिक वृद्धि, उनकी क्रियाशीलता आदि को कार्यरत करने के उद्देश्य से ' बाल-साहित्य ' लिखा जाता है | जिससे साहस, वीरता, संकटों को ड़टकर सामना करना, बड़े नेताओं के चरित्र द्वारा अच्छे गुणों का संग्रह करना, जासूसी लेखन द्वारा उनमें उचित दिशा से सोचने की क्षमता निर्माण करना आदि कारणों से सिर्फ बालक वर्ग को ध्यान में रखकर बाल-साहित्य का निर्माण

किया जाता हैं | पाठशाला की किताबों से बड़े, विस्तृत पैमाने पर बच्चों को जिस साहित्य की जरूरत होती है वह उचित मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पाती | अतः बाल साहित्य अधिक से अधिक बालकों तक पहुँचे इस उद्देश्य के साथ बाल साहित्य संम्मेलन का आयोजन किया जाता है | प्रस्तुत वर्ष " महाराष्ट्र राज्य के ' कराड़ ' शहर में यह संम्मेलन संपन्न हुआ | यह 18 वाँ ' बालकुमार साहित्य संम्मेलन ' वरिष्ठ लेखिका ' सौ.गिरिजा कीर ' जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ |" [58] इसमें बाल मनोविज्ञान और आधुनिक युग का बच्चों के मन पर होनेवाला परिणाम तथा आज का बाल साहित्य इन बातों पर विद्वानों ने अपने मत व्यक्त किये | साहित्य और संस्कृति का संबंध अक्षुण्ण है | अतः बाल साहित्य द्वारा संस्कृति की बातों को जानना, समझना आवश्यक है | इसलिए प्रस्तुत संमेलन का आयोजन हितैषी साबित हुआ |

संक्षेप में कहा जा सकता है, साहित्य में अनुभूति को प्रकट किया जाता है | साहित्य लेखन के लिए विविध साधन उपलब्ध हैं | पत्र-पत्रिकाओं का बड़ा मंच साहित्य के लिए उपलब्ध हैं | मुक्त लेखन का प्रयोग अधिक मात्रा में होने लगा हैं |

निष्कर्ष :-

प्रस्तुत अध्याय में ' वर्ष - 2005 ' की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का अध्ययन किया गया है |

' वर्ष - 2005 ' में राजनीतिक परिस्थितियों में अनेक गतिविधियाँ दृष्टव्य हुई | बाढ़, भूकंप, त्सुनामी के कारण निर्माण हुई प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित जनता को सरकार द्वारा खाने के पैकेट्स, यातायात की सुविधा एवं रूपयों द्वारा सहायता की गई | आतंक की कार्रवाईयों का राजनेताओं ने विरोध किया | भारत की न्याय व्यवस्था ने समान न्याय का तत्त्व कायम रखते हुए राजनेताओं पर भी कार्रवाई की गई | ' दक्षेस् ' का तेरहवाँ शिखर संम्मेलन तत्कालीन प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति के कारण असफल रहा | ' वर्ष - 2005 ' में भ्रष्टाचार से राजनेता भी अछूते नहीं रह सके | महिला आरक्षण का प्रस्ताव अनिर्णित ही रहा | ' भारतीय जनता पार्टी ' द्वारा 25 वीं वर्षगाँठ मनाने से राजनेताओं की खुशी में चार चाँद लग गए | देश विकास के लिए सरकार ने कई समझौते

दूसरे देशों के साथ किये | जिसमें श्रीनगर-मुजफ्फ़राबाद बस संपर्क स्थापित करना, मैत्री की यात्रा, निर्यात बढ़ाने का निर्णय करना आदि का समावेश हैं | अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अंतर्गत विदेश के नेताओं का भारत में आगमन हुआ | उनसे की गई बातचीत से विदेशी देशों से मित्रता के संबंध अधिक मजबूत बनाने में सहयोग प्राप्त हुआ |

' वर्ष - 2005 ' की सामाजिक परिस्थिति के अंतर्गत भ्रष्टाचार, बेरोजगारी इन समस्याओं ने समाज में भीषण रूप ले लिया | आतंकवाद के कारण सामान्य जनता चिंतित होने लगी | समाज हित के लिए कानून ने अनेक अधिनियम बनाये | इनमें सूचना का अधिकार, गुटखा जैसे पदार्थों पर रोक लगाना, वरिष्ठ नागरिकों के ब्याजदर में बढ़ोतरी आदि का समावेश है | समाज हित के लिए सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का शुभारंभ हुआ | इससे सभी बच्चों की प्राथमिक पढ़ाई, स्वास्थ्य का खयाल रखने की कोशिश की गई | इस तरह बदलते जीवन मूल्यों के कारण समाज में स्वार्थ, व्यक्तिवादिता का प्रभाव दिखाई दिया |

' वर्ष - 2005 ' की आर्थिक परिस्थिति के अंतर्गत शेअर बाजार की वृद्धि में सुधार हुआ | बैंकों ने अपनी आर्थिक प्रगति करते हुए अधिक सुविधाओं की पूर्ति की | उद्योगों के विकास के लिए बिजली का उत्पादन बढ़ाना, रेल आधुनिकीकरण, सड़क विकास योजना का परिचालन किया गया | बिजली निर्माण और सिंचाई के लिए नदियों को नहर द्वारा जोड़ने की योजना बनाई गई | सीमा-प्रश्न को रोकने के लिए प्रस्तुत वर्ष ' कारटोसेट ' का प्रक्षेपण किया गया | विश्व स्तर पर आर्थिक वृद्धि न्यूनतम रही | इस तरह प्रस्तुत वर्ष आर्थिक परिस्थिति में बदलाव दिखाई दिए |

धार्मिक परिस्थितियों के अंतर्गत प्रस्तु वर्ष में आतंक को प्रभावित करनेवाली घटनाएँ राम जन्म-भूमि परिसर में घटी | अनगिनत श्रद्धालुओं ने सुरक्षा के साथ प्रस्तुत वर्ष अमरनाथ यात्रा सफलता से पूरी की | असावधानी के कारण मांढ़रदेवी यात्रा में भक्तों की मृत्यु हुई | विश्व स्तर पर ' जर्मनी ' में नये ' पोप बेनीडिक्ट XVI ' की नियुक्ति की गई | इस प्रकार धार्मिक परिस्थिति में थोड़ेसे परिवर्तन हुए |

' वर्ष - 2005 ' में सांस्कृतिक परिस्थिति के अंतर्गत संगीत और नृत्य की कलाओं से देश संस्कृति का विकास कर रहा है | सांस्कृतिक धरोहर राष्ट्रगान से ' सिंध ' शब्द न हटाने का निर्णय लेकर उदार संस्कृति का परिचय दिया गया | दूरदर्शन ने सांस्कृतिक उत्कर्ष के लिए नये चैनल्स बढ़ाये |

प्रस्तुत वर्ष साहित्यिक परिस्थिति के अंतर्गत अनूदित रचना ' देवदास ' को साहित्य अकादमी का पुरस्कार प्राप्त हुआ | बाल साहित्य संम्मेलन के आयोजन से बच्चों की क्रियाशीलता, उनके गुणों को बढ़ाना आदि उद्‌देश्यों की पूर्ति होने में सफलता प्राप्त हुई |

इस प्रकार, ' वर्ष- 2005 ' की विभिन्न परिस्थितियाँ बनी रही | जिनसे समाज एवं देश का विकास होने में सहायता मिली |

संदर्भ :-

1. मनोरमा, ईयर बुक 2006 - संपा. के.एम्.मैथ्यू - पृ.148
2. प्रतियोगिता दर्पण, सितम्बर, 2005 - संपा. महेंद्र जैन - पृ.226
3. WWW.Pudhari.Com
4. मनोरमा, ईयर बुक, 2006 - संपा.के.एम्.मैथ्यू - पृ.146
5. प्रतियोगिता दर्पण, सितम्बर, 2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.227
6. मनोरमा, ईयर बुक, 2006 - संपा. के.एम्.मैथ्यू - पृ. 150
7. प्रतियोगिता दर्पण, जून,2005 - संपा. महेंद्र जैन - पृ.1954
8. मनोरमा,ईयर बुक, 2006 - संपा.के.एम्.मैथ्यू - पृ.183
9. महाराष्ट्र,2006 - संतोष दास्ताने - पृ.275
10. प्रतियोगिता दर्पण, जून,2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.1956
11. ' वही ', अक्तूबर,2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.441
12. ' वही ', सितम्बर, 2005 - ' वही ' - पृ.224
13. www.pudhari.com.
14. http:// onlinenews.lokmat.com
15. प्रतियोगिता दर्पण, अप्रैल, 2005 - संपा. महेंद्र जैन - पृ.1584
16. मनोरमा,ईयर बुक,2006 - संपा.के.एम्.मैथ्यू - पृ.158
17. प्रतियोगिता दर्पण, नवम्बर 2005 - संपा. महेंद्र जैन - पृ.658
18. मनोरमा, ईयर बुक 2006 - संपा.के.एम्.मैथ्यू - पृ.150
19. ' वही ' - ' वही ' - पृ.146
20. प्रतियोगिता दर्पण, सितम्बर,2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.225
21. www.pudhari.com
22. प्रतियोगिता दर्पण, नवंबर,2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.650
23. ' वही ' - ' वही ' - पृ.649
24. ' वही ', अगस्त 2005 - ' वही ' - पृ.12

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

25. www.esakal.com

26. www.banknetindia.com

27. प्रतियोगिता दर्पण,जून,2005	- संपा.महेंद्र जैन	-	पृ.1956

28. www.dailynews/K/2005

29. www.esakal.com

30. 'वही'		-	पृ.148
31. मनोरमा, ईयर बुक,2006	- संपा. के.एम.मैथ्यू	-	पृ.146
32. 'वही'	- 'वही'	-	पृ.168
33. 'वही'	- 'वही'	-	पृ.178
34. महाराष्ट्र, 2006	- संतोष दास्ताने	-	पृ.275
35. 'प्रतियोगिता दर्पण', अक्तूबर,2005	- संपा. महेंद्र जैन	-	पृ.435
36. 'वही'	- 'वही'	-	पृ.440
37. मनोरमा, ईयर बुक,2006	- संपा.के.एम्.मैथ्यू	-	पृ.108
38. 'वही'	- 'वही'	-	पृ.106
39. 'वही'	- 'वही'	-	पृ.108
40. हिंदी कहानी का विकास	- डॉ.देवेश ठाकूर	-	पृ.96
41. मनोरमा ईयर बुक, 2006	- संपा.के.एम्.मैथ्यू	-	पृ.148

42. http://onlinenews.lokmat.com

43. संपा. संतोष दास्ताने	- महाराष्ट्र,2006	-	पृ.273
44. प्रतियोगिता दर्पण - सितंबर,2005	- संपा.महेंद्र जैन	-	पृ.223
45. 'वही', अक्तूबर,2005	- 'वही'	-	पृ.439
46. 'वही', जून,2005	- 'वही'	-	पृ.1959
47. प्रामाणिक हिंदी कोश	- संपा.रामचंद्र वर्मा	-	पृ.1081
48. अद्‌यतन	- सच्चिदानंद वात्स्यायन	-	पृ.13
49. मनोरमा, ईयर बुक, 2006	- संपा.के.एम्.मैथ्यू	-	पृ.162

50. मनोरमा, ईयर बुक, 2006 - संपा.के.एम्.मैथ्यू - पृ.156

51. www.esakal.com

52. ' वही '

53. ' वही '

54. प्रतियोगिता दर्पण, अप्रैल,2005 - संपा.महेंद्र जैन - पृ.1582

55. ' वही ', मई, 2005 - ' वही ' - पृ.1778

56. www.esakal.com

57. महाराष्ट्र,2006 - संपा.संतोष दास्ताने - पृ.274

58. ' वही ' - ' वही ' - पृ.273

****